3. शब्द विचार

व्याकरण का वह भाग जो शब्दों की उत्पत्ति, प्रकार तथा उनके रूपांतर के बारे में बताता है, शब्द विचार के अंतर्गत आता है।

शब्द विचार व्याकरण शास्त्र का दूसरा मुख्य भेद है। वर्णों का व्यवस्थित और सार्थक समूह जिससे एक निश्चित अर्थ की प्राप्ति होती है, वह शब्द होता है।

शिक्षण-संकेत

- शब्द तथा पद का अंतर बताते हुए शब्द की परिभाषा स्पष्ट करें।
- समझाएँ शब्द कई प्रकार के होते हैं।
- शब्दों के वर्गीकरण का आधार बताएँ। रचना या बनावट के आधार पर, उत्पत्ति के आधार पर, अर्थ के आधार पर, प्रयोग के आधार पर इन चारों आधारों पर शब्दों का भेद किया जाता है।
- प्रयोग के आधार पर शब्द भेद बताते हुए विकारी-अविकारी शब्दों के बारे में बताएँ।
- समझाएँ, जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, वे अविकारी शब्द होते हैं तथा जिन शब्दों पर लिंग, वचन, कारक का प्रभाव पड़ता है, वे विकारी शब्द होते हैं। संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि विकारी शब्द हैं तथा क्रियाविशेषण, संबंधबोधक आदि अव्यय या अविकारी शब्द हैं।
- उत्पत्ति के आधार पर शब्द भेद बताते हुए समझाएँ कि बहुत से शब्दों की उत्पत्ति या जन्म अन्य भाषा के शब्दों से होता है तथा अन्य भाषाओं से भी हिंदी भाषा में कई शब्द प्रयोग में लाए जाते हैं। अथवा उनका स्रोत अन्य भाषा होती है।
- तत्सम-तद्भव तथा देशज-विदेशी शब्दों के बारे में बताते हुए संस्कृत के कुछ शब्द बोलें फिर उनके हिंदी रूप यानी तद्भव शब्द छात्रों से जानें।
- समझाएँ, अर्थ के आधार पर सार्थक और निरर्थक दो प्रकार के शब्द होते हैं। जिन शब्दों का अर्थ होता है, वे सार्थक शब्द होते हैं तथा जिनका कोई अर्थ नहीं होता, वे निरर्थक शब्द कहलाते हैं। बताएँ, विलोम, पर्यायवाची, अनेकार्थी आदि सार्थक शब्द हैं।
- बीच-बीच में छात्रों से पूछते रहें कि वे विषय को भली-भाँति समझ पा रहे हैं अथवा नहीं।
- रचना या बनावट के आधार पर रूढ़, यौगिक तथा योगरूढ़ शब्दों को बनाना तथा उनका प्रयोग समझाएँ। इन शब्दों का अंतर भी स्पष्ट करें। छात्रों से कुछ शब्दों का प्रकार जानें।

❖ छात्रों को शब्द-युग्म समझाने से पहले ब्लैकबोर्ड पर कुछ शब्द-युग्म शब्द लिखें। फिर एक-एक कर उनके प्रकारों से परिचित कराते हुए समझाएँ।

❖ प्रत्येक छात्र पर ध्यान केंद्रित करें।

❖ 'अब तक हमने सीखा' द्वारा विषय की पुनरावृत्ति आवश्यक है।